वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 239 शुक्रवार 26 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

70 साल की उम्र में जोश का प्रदर्शन: नेशनल खिलाड़ी दीपक हुड्डा की टीम के साथ की सफल रेड

सांसद खेल महोत्सव में केंद्रीय मंत्री बने कबड्डी के 'रेडर'

पटेल स्टेडियम में हुआ सांसद खेल महोत्सव का भव्य समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया संबोधन

अजमेर टॉप-10 लोकसभा क्षेत्रों में, रिकॉर्ड पंजीकरण

राजस्थान और अजमेर के लिए गर्व का क्षण: दीपक हुड्डा

पटेल स्टेडियम में समापन, पीएम का वर्चुअल संबोधन

अजमेर. कासं

अजमेर में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह ने खेल और फिटनेस के प्रति नई ऊर्जा का संदेश दिया। गुरुवार को पटेल स्टेडियम में हुए कार्यक्रम में 70 वर्षीय केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने कबड्डी के मैदान में उतरकर सभी को चौंका दिया। उन्होंने देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा के साथ कबड्डी मैच खेला और मुकाबले के दौरान रेडर और डिफेंडर दोनों भूमिकाओं में सक्रिय भागीदारी निभाई। अनुभवी उम्र के बावजूद उनकी फुर्ती और आत्मविश्वास ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कबड्डी के इस मुकाबले में उन्होंने नेशनल खिलाड़ी दीपक हुड्डा की टीम के साथ खेलते हुए सफल रेड भी की। खेल के दौरान मंत्री का जोश और फिटनेस संदेश देता दिखा कि उम्र खेल के रास्ते में बाधा नहीं होती। मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने इसे प्रेरणादायी पल बताया। समापन समारोह पटेल स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से खिलाड़ियों, आयोजकों और खेल प्रेमियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने युवाओं को खेलों से जुड़ने, फिट रहने और अनुशासन विकसित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न खेल स्पर्धाओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस महोत्सव की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि देशभर के 10 लोकसभा क्षेत्रों में अजमेर का नाम पंजीकरण और सहभागिता के आधार पर टॉप-10 में शामिल रहा। अजमेर संसदीय क्षेत्र में पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनका समापन भव्य समारोह के साथ हुआ। आयोजन से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र में लगभग 1 लाख 66 हजार युवाओं ने विभिन्न खेलों में पंजीकरण कराया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव ने युवाओं को बड़ा मंच दिया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया की भावना के अनुरूप लाखों युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला। इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण और शहरी प्रतिभाओं को पहचान मिलती है और वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ सकते हैं। नेशनल कबड्डी खिलाड़ी दीपक हुड्डा ने कहा कि पूरे देश में पंजीकरण के लिहाज से टॉप-10 में अजमेर का शामिल होना राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इसे युवाओं की खेलों के प्रति बढ़ती रुचि और सफल आयोजन की पहचान बताया। कुल मिलाकर, अजमेर में सांसद खेल महोत्सव का समापन खेल, फिटनेस और प्रेरणा का उत्सव बनकर उभरा जहां उम्र से परे जोश ने युवाओं को आगे बढ़ने का संदेश दिया।

वाजपेयी की जयंती पर खेलों का उत्सव

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। नियमित खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व, टीमवर्क और अनुशासन जैसे गुण विकसित करते हैं।

खराब रिजल्ट वाले स्कूलों पर सख्त हुए राज्यपाल कटारिया, कहा...

जहां पढ़ाई कमजोर, वहां के टीचरों को हटाओ

उदयपुर. कासं

उदयपुर में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी से सीधे सवाल करते हुए कहा कि जिन सरकारी स्कूलों में बच्चों की परफॉर्मेंस खराब है, वहां के शिक्षकों को बदला जाना चाहिए। राज्यपाल के इस बयान के दौरान जनजाति मंत्री मुस्कुराते नजर आए। कटारिया गुरुवार को उदयपुर के टाउन हॉल में आयोजित सुंदर सिंह भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट के सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। मंच से संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, ''मंत्री महोदय, कहां हो आप? क्या हो रहा है? हमारे टीचर क्या कर रहे हैं? जहां-जहां स्कूलों में रिजल्ट खराब है, वहां से टीचरों को हटाना चाहिए।''

प्रतिभाशाली बच्चों की सराहना

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि बच्चों का परिश्रम समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में कई समर्पित शिक्षक मौजूद हैं, जिनके मार्गदर्शन में सरकारी विद्यालयों के छात्र 95 से 99 प्रतिशत तक अंक प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने खासतौर पर आदिवासी क्षेत्रों की छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि इन इलाकों से बेटियां उत्कृष्ट परिणाम ला रही हैं, जो जिले की प्रतिभा को दर्शाता है। कटारिया ने भरोसा दिलाया कि इन होनहार विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने के लिए हरसंभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए केवल योजनाएं ही नहीं, बल्कि सोच में भी बदलाव जरूरी है। हमें पहले खुद को बदलना होगा, तभी शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार संभव है, उन्होंने कहा।

महावीर इंटरनेशनल डडूका ने हड़मतिया (अरथूना) उप्रावि में गुरुजनों को जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की

हड़मतिया (अरथूना). शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा हृदय सुरक्षा प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय हड़मतिया (अरथूना) में गुरुजनों को जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डडूका केंद्र अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी ने की। मुख्य वक्ता संस्था के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया रहे। कोठिया ने हार्ट अटैक की बढ़ती घटनाओं के संदर्भ में प्राथमिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महावीर इंटरनेशनल की जीवन रक्षक टैबलेट किट की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह किट रोगी को अस्पताल पहुंचने तक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक है। सीने में दर्द या हृदयाघात की आशंका होने पर किट में उपलब्ध तीन टैबलेट–(1) एस्पिरिन 150 मि.ग्रा., (2) सोर्बिट्रेट 10 मि.ग्रा. और (3) एटॉरवास्टेटिन 80 मि.ग्रा.–समय पर देने से प्राणरक्षक सिद्ध हो सकती हैं। विद्यालय स्टाफ सदस्यों लक्ष्मी खांट, मोतीलाल कटारा, हेमलता कुंवर राव, दिनेश चंद्र भट्ट, हरीश चंद्र खांट, रीना पाटीदार, मनीषा कुमारी बरजोड़ तथा राकेश प्रजापत ने महावीर इंटरनेशनल की इस स्वास्थ्य पहल का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि आभार व्यक्त लक्ष्मी खांट ने किया। इस अवसर पर विद्यालय में कुल 22 जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित की गईं। प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी खांट ने पीड़ित मानवता की सेवा में महावीर इंटरनेशनल डडूका के समर्पण की मुक्तकंठ से सराहना की।

रंगनाथ बाँगड़ स्मृति अखिल राजस्थान अंतर महाविद्यालय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न

सुजानगढ़ की आँचल शर्मा रहीं प्रथम, तर्कशक्ति और विचारों की प्रखरता रही केंद्र में

लाडनूं. शाबाश इंडिया

बाँगड़ ट्रस्ट, कोलकाता के आर्थिक सहयोग से राजकीय कन्या महाविद्यालय, लाडनूँ में आयोजित सेठ रंगनाथ बाँगड़ स्मृति अखिल राजस्थान अंतरमहाविद्यालय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता गरिमामय एवं बौद्धिक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने पक्ष-विपक्ष में सशक्त, तथ्यपूर्ण और प्रभावी तर्क प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि हिमांशु शर्मा ने कहा कि वादङ्ग विवाद प्रतियोगिताएँ युवाओं में तार्किक सोच, वैचारिक अनुशासन और लोकतांत्रिक संवाद की संस्कृति को सुदृढ़ करती हैं। स्वागताध्यक्ष एस.के. बाँगड़ ने सेठ रंगनाथ बाँगड़ के शैक्षिकङ्गसामाजिक योगदान को रेखांकित करते हुए छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु ऐसे आयोजनों को आवश्यक बताया। सारस्वत अतिथि राजश्री शेखावत ने हिन्दी की अभिव्यंजना शक्ति पर प्रकाश डाला। अति विशिष्ट अतिथि प्रो. आलोक चतुर्वेदी ने महाविद्यालय की शैक्षणिक सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन अकादमिक ज्ञान के साथ सामाजिक चेतना और वैचारिक परिपक्वता भी विकसित करते हैं। प्राचार्य डॉ. गजादान चारण ने स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय की विकास यात्रा, उपलब्धियों और अनुशासनात्मक नियमों की जानकारी दी। प्रतियोगिता का विषय ''इस सदन की सम्मति में कैशलेस अर्थव्यवस्था ही भ्रष्टाचार नियंत्रण का एकमात्र प्रभावी उपाय है'' रहा। निर्णायक मंडल में डॉ. अखलाक उस्मानी, डॉ. भगवती सिंह बारहठ और नवीन शेखावत शामिल रहे। प्रथम पुरस्कार (₹11,500) आँचल शर्मा (राजकीय महाविद्यालय, सुजानगढ़) को मिला। द्वितीय (₹8,000) कृति मीना और तृतीय (₹5,500) दीपेंद्र कुमार को प्रदान किया गया। प्रोत्साहन पुरस्कार सुश्री चित्रा चौधरी, सुश्री पूजा चोयल, श्री सुनील कुमार गुर्जर, सुश्री शबनम, सुश्री मोन्टी कंवर और श्री राजा को दिए गए। कार्यक्रम में लक्ष्मण दान कविया, डॉ. शंकरलाल जाखड़, प्रो. प्रेम बाफना तथा इरशाद अली खान मंचासीन रहे। संचालन प्रतियोगिता समन्वयक सुरेन्द्र कागट ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विवाह मुहूर्त सन् 2026

कब हैं शुभ तिथियां, कब और क्यों नहीं बनते मुहूर्त

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

वर्तमान समय में विवाह आयोजन के लिए वाटिका, मैरिज गार्डन और होटल पहले से ही बुक हो जाते हैं। ऐसे में यदि विवाह मुहूर्त की सही जानकारी पहले से हो, तो समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से की जा सकती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन ने सन् 2026 के सभी शुभ विवाह मुहूर्त रेखा सहित बताए हैं, साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि किन अवधियों में विवाह मुहूर्त क्यों नहीं बनते। ज्योतिषाचार्य के अनुसार 15 दिसंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 तक धनु मलमास तथा 13 दिसंबर 2025 से 29 जनवरी 2026 तक शुक्र तारा पूर्व में अस्त रहने के कारण 3 फरवरी 2026 तक कोई विवाह मुहूर्त नहीं है।

फरवरी 2026 के विवाह मुहूर्त

4 फरवरी-8 रेखा

5 फरवरी-7 रेखा

10 फरवरी-9 रेखा

21 फरवरी-9 रेखा

मार्च 2026 के विवाह मुहूर्त

9 मार्च-7 रेखा

10 मार्च-8 रेखा

11 मार्च-8 रेखा

12 मार्च-8 रेखा

14 मार्च से 14 अप्रैल 2026 तक मीन मलमास होने से विवाह मुहूर्त नहीं हैं।

अप्रैल-मई 2026 के विवाह मुहूर्त

20 अप्रैल-10 व 9 रेखा

21 अप्रैल-7 रेखा

26 अप्रैल-6 व 7 रेखा

5 मई-7 व 8 रेखा

6 मई-8 रेखा

7 मई-5 रेखा

8 मई-6 रेखा

14 मई-8 रेखा

17 मई से 15 जून 2026 तक ज्येष्ठ अधिक मास होने के कारण विवाह मुहूर्त नहीं हैं।

जून 2026 के विवाह मुहूर्त

19 जून-7 रेखा

20 जून-7 रेखा

22 जून-7 रेखा

23 जून-8 रेखा

26 जून-6 रेखा

27 जून-6 रेखा

29 जून-7 रेखा

जुलाई 2026 के विवाह मुहूर्त

6 जुलाई-8 रेखा

7 जुलाई-8 रेखा

11 जुलाई-7 रेखा

16 जुलाई 2026 से गुरु तारा पश्चिम में अस्त होकर 9 अगस्त को उदय होंगे। साथ ही 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 तक देव शयन काल होने से विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे।

नवंबर-दिसंबर 2026 के विवाह मुहूर्त

21 नवंबर-9 व 10 रेखा

24 नवंबर-6 रेखा

25 नवंबर-7 व 10 रेखा

26 नवंबर-10 रेखा

2 दिसंबर-8 व 7 रेखा

3 दिसंबर-7 रेखा

11 दिसंबर-9 रेखा

12 दिसंबर-8 रेखा

16 दिसंबर 2026 से 14 जनवरी 2027 तक पौष मलमास रहेगा, इस अवधि में विवाह मुहूर्त नहीं होंगे। इसके बाद अगला शुभ विवाह मुहूर्त 23 जनवरी 2027 से प्रारंभ होगा। ज्योतिषाचार्य ने परामर्श दिया है कि विवाह की तिथि तय करते समय कुंडली मिलान एवं स्थानीय पंचांग का अवश्य ध्यान रखें।

कुएँ के मेंढक और जैन समाज का सच — आडंबर के विरुद्ध बोलने की कीमत

एक गहरे कुएँ में कई मेंढक गिर गए। सबने बाहर निकलने की कोशिश की, पर डर इतना हावी था कि कोई पूरी ताकत से दीवार पर चढ़ ही नहीं पाया। गिरने का भय, मरने की आशंका और दूसरों की नकारात्मक बातें—इन सबने उन्हें वहीं का कैदी बना दिया। धीरे-धीरे उन्होंने उसी कुएँ को अपना घर मान लिया। मगर उन्हीं में से एक मेंढक ने हिम्मत की। वह दीवार पर चढ़ने लगा। नीचे से बाकी मेंढक चिल्लाने लगे—मत चढ़, गिर जाएगा; कुआँ बहुत गहरा है; तू कभी बाहर नहीं निकल पाएगा। लेकिन वह मेंढक रुका नहीं। वह चढ़ता रहा और अंततः कुएँ से बाहर निकल गया। बाद में पता चला कि वह मेंढक बहरा था—उसे डराने वाली आवाजें सुनाई ही नहीं देती थीं। यहीं पूरी सीख छिपी है—अगर ज़िंदगी में कुछ करना है, सच बोलना है, बदलाव लाना है, तो कई बार ''बहरा'' बनना पड़ता है। क्योंकि समाज में बहुत से लोग केलकुलेटर लेकर बैठे रहते हैं—वे तुम्हारी हिम्मत नहीं, तुम्हारी औकात गिनते हैं; तुम्हारे इरादे नहीं, तुम्हारी हार के आँकड़े जोड़ते हैं। उनकी सुनोगे, तो एक सीढ़ी भी नहीं चढ़ पाओगे। आज यही स्थिति जैन समाज में आडंबर के विरुद्ध बोलने वाले व्यक्ति की है। जो दिखावे, पाखंड, झूठी महिमा, महंगे आयोजनों और धर्म के नाम पर चल रहे व्यापार पर सवाल उठाता है, उसे नीचे से वही आवाजें सुनाई देती हैं—चुप रहो, समाज टूट जाएगा; मत बोलो, तुम्हारी औकात नहीं; ऊपर मत जाओ, गिर जाओगे। असल में ये आवाजें डर की हैं, सुविधा की हैं, और उस कुएँ की हैं जिसे लोग घर मान चुके हैं। जो सच बोलता है, वह अकेला पड़ता है; जो आडंबर पर चोट करता है, उसे बदनाम किया जाता है; और जो धर्म को आचरण से जोड़ने की बात करता है, उसे विद्रोही कहा जाता है। मगर परिवर्तन हमेशा उसी एक 'बहरे मेंढक' से शुरू होता है—जो तानों को नहीं सुनता, आरोपों से नहीं डरता और चढ़ता ही जाता है। जैन धर्म कभी दिखावे का नहीं रहा; वह आत्मशुद्धि का मार्ग है। वह मंच, माइक और महंगे प्रबंधों से नहीं, बल्कि त्याग, संयम और सत्य से जीवित रहता है। अगर आज कोई व्यक्ति इस आडंबर के खिलाफ खड़ा है, तो उसे गिराने के लिए आवाजें बहुत होंगी। पर यदि उसने उन आवाजों को अनसुना कर दिया, तो वही व्यक्ति समाज को कुएँ से बाहर निकालने की पहली सीढ़ी बनेगा। सच हमेशा ऊपर होता है—और ऊपर पहुँचने के लिए कई बार 'बहरा' बनना पड़ता है।

नितिन जैन
संयोजक — जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम
जिलाध्यक्ष — अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मोबाइल: 9215635871

वेद ज्ञान

वैराग्य से ही मोह से छुटकारा

स्वार्थ का शालीन नाम 'मोह' है। हम सभी परस्पर स्वार्थ से जुड़ते हैं। इसी कारण उनके प्रति मोह रहता है। स्वार्थ, ममत्व को जन्म देता है। ममत्व ही मोह है। लोक में, व्यक्ति का परिजन, दोस्त संबंधी और धन-आदि से सीधा जुड़ाव होता है। सभी से कुछ न कुछ स्वार्थ सिद्ध होता है। इसलिए इनके प्रति स्वाभाविक मोह होता है। लौकिक-संबंध अथवा वस्तु हमारे लिए जितना उपयोगी होते हैं, उतने ही उनके प्रति वे आसक्ति रखते हैं। उनके प्रति उतनी ही आसक्ति या रागात्मिका-वृत्ति दृढ़ होती है। हमें जिनके प्रति जितना मोह या राग-भाव होता है, उनके खोने का भय भी उतना ही प्रबल होता है और उनके खो जाने पर अत्यंत दुख का अनुभव होता है। अब यदि इस मोह (राग-भाव) से छुटकारा मिल जाए तो सांसारिक दुखों से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। मोह से छूटने का एकमात्र उपाय है-वैराग्य। रागों से मुक्त होना वैराग्य है। वैराग्य वह शक्ति है, जो मनुष्य को अभय प्रदान करती है। इसकी ऊर्ध्व गति है। वैराग्य आत्मसाक्षात्कार कराने का प्रवेश द्वार अथवा मूल है। वैराग्य-प्राप्ति की प्रक्रिया मन के रागात्मक होने वाले कारणों के सर्वथा विपरीत है। लौकिक संबंधों से अपेक्षाओं का पूर्णतया त्याग और उनके प्रति ममत्व त्यागकर निर्विकार होना वैराग्य-प्राप्ति का उपाय है, किंतु यह इतना सरल नहीं है, क्योंकि एतदर्थ समत्व-बुद्धि के लिए सतत और दृढ़तापूर्वक अभ्यास करना पड़ेगा। समत्व-बुद्धि निर्मल-मन का विषय है। लौकिक अपेक्षा-कामना-आसक्ति और मोहादि विकार संकीर्ण और अशुद्ध-मन के कार्य-व्यापार हैं। इसके विपरीत अलौकिक और सर्वव्यापक सत्ता को एकमात्र स्वीकार करना, उसी के साक्षात्कार की अपेक्षा रखना, उसी की अनन्य-भक्ति की सदैव कामना, उसी के परम-सौंदर्य पर निरंतर मुग्ध (आसक्त या मोहित) रहना-निरंतर ऐसी मनोस्थिति बनाए रखना स्थिति-प्रज्ञ या समत्व-बुद्धि प्राप्त करने के प्रारंभिक चरण हैं। अलौकिक (परमात्म) सत्य को सर्वोपरि मानने से लौकिक-प्रपंच स्वतः शांत होने लगते हैं।

संपादकीय

भारत की अंतरिक्ष शक्ति का वैश्विक उद्घोष

क्रिसमस से ठीक एक दिन पहले भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपने सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 के माध्यम से 6100 किलोग्राम वजनी विदेशी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया। यह भारतीय धरती से किसी स्वदेशी प्रक्षेपण यान द्वारा प्रक्षेपित

अब तक का सबसे भारी उपग्रह है, जिसने भारत को वैश्विक व्यावसायिक प्रक्षेपण बाजार में अग्रणी पंक्ति में ला खड़ा किया है। एलवीएम-3, जिसे बाहुबली के नाम से भी जाना जाता है, ने अमेरिका की एक अंतरिक्ष संचार कंपनी के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन पूर्णतः व्यावसायिक था, जिसे इसरो की व्यावसायिक इकाई और संबंधित अमेरिकी कंपनी के बीच हुए समझौते के तहत अंजाम दिया गया। यह तथ्य इसरो की वैज्ञानिक क्षमता के साथ-साथ उसकी व्यावसायिक विश्वसनीयता को भी स्पष्ट करता है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 एक अगली पीढ़ी का संचार उपग्रह है, जिसे अंतरिक्ष आधारित मोबाइल संचार सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह साधारण मोबाइल फोन से सीधे जुड़कर चौथी और पाँचवीं पीढ़ी की कॉल सेवा, वीडियो वार्ता, संदेश सेवा और आंकड़ा संचार उपलब्ध कराएगा, वह भी बिना किसी धरातलीय टावर के। इससे दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों और समुद्री क्षेत्रों में संचार सुविधा की समस्या का समाधान संभव होगा। यह तकनीक विश्व की अन्य बड़ी उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाओं को कड़ी चुनौती देने वाली मानी जा रही है। तकनीकी दृष्टि से यह मिशन कई मायनों में महत्वपूर्ण है। एलवीएम-3 की यह छठी सफल परिचालन उड़ान थी और मात्र 52 दिनों में दूसरी उड़ान, जो इसरो की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है। प्रक्षेपण यान ने केवल 15 से 16 मिनट में उपग्रह को लगभग 520 किलोमीटर ऊँची लक्षित कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो अध्यक्ष ने इसे पाठ्यपुस्तक जैसी सटीक उड़ान बताया, जबकि प्रधानमंत्री ने इसे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक निर्णायक उपलब्धि करार दिया। यह सफलता तीन स्तरों पर भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहला, यह भारत की कम लागत और उच्च विश्वसनीयता वाली व्यावसायिक प्रक्षेपण क्षमता को वैश्विक मान्यता दिलाती है। दूसरा, यह उन्नत तकनीक विशेष रूप से मोबाइल फोन से सीधे जुड़ने वाली संचार व्यवस्था के क्षेत्र में भारत की सशक्त भागीदारी को दर्शाती है। तीसरा, यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करती है, क्योंकि अब भारत अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी प्रक्षेपण यानों पर निर्भर नहीं है। हालाँकि, बढ़ते उपग्रह प्रक्षेपणों के साथ अंतरिक्ष मलबे की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। ऐसे में उत्तरदायी और संतुलित अंतरिक्ष अभियानों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि

योगेश कुमार गोयल

26 दिसंबर भारतीय इतिहास का वह गौरवशाली और भावनात्मक दिन है, जब सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों की अद्वितीय शहादत को स्मरण करते हुए 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल अतीत की एक घटना नहीं, बल्कि साहस, धर्मनिष्ठा और आत्मबलिदान का ऐसा आदर्श है, जो आज भी देश की युवा पीढ़ी को प्रेरणा देता है। गुरु गोबिंद सिंह जी के सबसे छोटे साहिबजादे 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह ने जिस निर्भीकता से अन्याय और अत्याचार का सामना किया, वह मानव इतिहास में दुर्लभ उदाहरण है। मुगल शासकों द्वारा जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव डाला गया, तब इन मासूम बालकों ने अपने धर्म और आस्था से समझौता करने के बजाय हंसते-हंसते मृत्यु को स्वीकार कर लिया। 26 दिसंबर 1705 को दोनों साहिबजादों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया, जिसने पूरी मानवता को झकझोर कर रख दिया। गुरु गोबिंद सिंह जी और उनका पूरा परिवार सिख धर्म की रक्षा और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक था। उनका संकल्प स्पष्ट था धर्म की रक्षा के लिए चाहे जो भी बलिदान देना पड़े, वे पीछे नहीं हटेंगे। मुगल शासन द्वारा गुरु परिवार को अनेक प्रकार की यातनाएं दी गईं। दो बड़े साहिबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में अपूर्व शौर्य का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की, जबकि छोटे साहिबजादों को अमानवीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। दिसंबर 1704 में जब मुगल सेना ने आनंदपुर साहिब पर आक्रमण किया, तो गुरु गोबिंद सिंह को अपने परिवार सहित कड़ाके की ठंड में किला छोड़ना पड़ा। सरसा नदी पार करते समय तेज बहाव के कारण परिवार बिछुड़ गया। माता गुजरी और छोटे साहिबजादे गुरु जी के सेवक गंगू के साथ रह गए, जिसने लालच में आकर उन्हें सरहिंद के नवाब वजीर खान को सौंप दिया। इसके बाद साहिबजादों को बंदी बनाकर वजीर खान के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वजीर खान ने बच्चों को इस्लाम धर्म स्वीकार करने का लालच और भय दिखाया, लेकिन दोनों साहिबजादों ने निर्भीक स्वर में कहा कि वे केवल अकाल पुरख और अपने गुरु पिता के आगे ही सिर झुकाते हैं। अंततः क्रूर आदेश के तहत उन्हें दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। कहा जाता है कि दीवार बन जाने के बाद भी अंदर से 'वाहेगुरु' के जयकारे गूंजते रहे। माता गुजरी जी को भी इस दुखद घटना के बाद सरहिंद के किले से नीचे धकेल दिया गया। जब गुरु गोबिंद सिंह जी को इस पूरे घटनाक्रम का समाचार मिला, तो उन्होंने शोक में डूबने के बजाय मुगल सम्राट औरंगजेब को जफरनामा लिखकर अन्याय के विरुद्ध खुली चुनौती दी। वीर बाल दिवस हमें यह संदेश देता है कि उम्र छोटी हो सकती है, लेकिन साहस, आस्था और संकल्प असीम होते हैं। साहिबजादों की शहादत आज भी हमें अपने देश, धर्म और मूल्यों की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में अडिग रहने की प्रेरणा देती है। यही वीर बालकों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

मनुष्य जीवन का सही उपयोग ही सच्चा सौभाग्य है: अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं। उनके सान्निध्य में विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहे हैं। इसी क्रम में गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य जीवन मिलना सौभाग्य की बात है, लेकिन उसे केवल खाने-पीने और समय बिताने में गंवा देना दुर्भाग्य है। समय पर देह त्याग कर भी लोगों के हृदय में जीवित रहना—यह सत्कर्म, सेवा और परोपकार का फल है। आचार्य

श्री ने कहा कि आजकल व्यवहार ''हाथी के दांत'' जैसा हो गया है—दिखाने के कुछ और, करने के कुछ और। संसार में दो प्रकार के लोग होते हैं—एक सरल मन वाले और दूसरे कुटिल बुद्धि वाले। सरल मन वाला व्यक्ति उस नदी की तरह पवित्र होता है, जो निश्छल भाव से समुद्र से मिलने के लिए सतत बहती रहती है। अनेक संकटों के बावजूद उसका एक ही लक्ष्य होता है—अनंत में विलीन होना। ऐसे ही सरल मन वाले लोग परमात्म तत्व को उपलब्ध हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण निर्ग्रंथ दिगम्बर जैन साधु को बालकवत निर्विकारी कहा गया है। दिगम्बर जैन साधु शिशु-वत जीवन जीता है—किसी भी मत-पंथ की माता-बहन के प्रति उसके मन में विषय, विकार या वासना का लेशमात्र भी भाव नहीं आता; सभी के प्रति समदृष्टि रहती है। आचार्य श्री ने एक गीत का उदाहरण देते हुए भाव स्पष्ट किया ''ओ रे ताल मिले नदी के जल से, नदी मिले सागर से, सागर मिले कौन से जल से—कोई जाने ना।'' दूसरी ओर, कुटिल बुद्धि वाले लोग सदैव षड्यंत्र और उधेड़-बुन में लगे रहते हैं—किसकी टोपी किसके सिर पर रखनी है, यही उनका काम होता है। उन्होंने चेताया कि आज देश-समाज में अच्छे लोग भी खोटे सिक्के की दौड़ में शामिल हो रहे हैं। इस शाश्वत सत्य को स्वीकार करना चाहिए कि हमें हर क्षण कोई देख रहा है—हम स्वयं और खुदा की नजरों से कभी बच नहीं सकते।

''मूक पशुओं के आहार की व्यवस्था हम सभी की जिम्मेदारी'': दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड

भिंड. शाबाश इंडिया। प्राणी मात्र की सेवा भावना से प्रेरित होकर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड द्वारा जीवदया अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार, 25 दिसंबर 2025 को प्रातः 9 बजे संस्था के सदस्य सपरिवार इंसानियत समिति द्वारा संचालित आश्रम (नवीन पशु

अस्पताल के पास, प्राइवेट स्टैंड के सामने, लश्कर रोड) पर एकत्र हुए और मूक पशुओं व पक्षियों की सेवा की। सेवा कार्य के दौरान सदस्यों ने अपने हाथों से कुत्तों, बंदरों सहित अन्य मूक पशुओं को दूध, टोस्ट, बिस्किट, केला एवं रोटियों हेतु आटा खिलाया, वहीं पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था भी की गई। इससे पूर्व दिसंबर माह में गौशाला में गौसेवा भी की जा चुकी है। इंसानियत समिति ने सेवा में सहभागिता निभाने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र पूनम जैन, सचिव अंशुल आयशा जैन, कोषाध्यक्ष रविंद्र सुधा जैन एवं परम संरक्षक अशोक जय जैन ने कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड प्राणी मात्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगा और भविष्य में भी मूक पशुओं एवं जीव-जंतुओं के कल्याण हेतु ऐसे सेवा कार्य निरंतर करता रहेगा। आज की सेवा गतिविधि में नवीन-अंजू, विकल्प-नीलम, अतुल-ज्योति, डॉ. जितेंद्र-ज्योति, विकास-प्रीति, अक्षय-प्रगति, राजीव-वर्षा, विनय-नीलम, विकास-शैली, सचिन-संध्या, डॉ. रविकांत, डॉ. शालिनी, मुकेश-किरण, समर-सुरभि, संजीव-गीता सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य एवं बच्चों ने सहभागिता कर मूक पशुओं की सेवा की।

पूर्णाहुति के बाद निकली भव्य रथयात्रा, सिद्धचक्र महामंडल विधान का श्रद्धाभाव से समापन

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र अहार जी में छह दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का समापन गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। श्रावक श्रेष्ठी मुकेश जैन लार ने बताया कि समापन अवसर पर पांडुशिला में भगवान आदिनाथ को विराजमान कर रजत कलशों से अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य-नियम पूजा संपन्न कराई गई। वृहद सुख-शांति प्रदाता शांतिधारा का सौभाग्य प्रेमचंद्रझविमल जैन (हटा, दिल्ली परिवार) तथा अशोक जैन, अनुराग जैन, आकाश जैन (लार परिवार) को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भगवान के 1008 सहस्त्र नामों की वृहद शांति मुनिश्री श्रुतेश सागर एवं मुनिश्री सुश्रुत सागर महाराज के मंत्रोच्चार के साथ की गई। सम्पूर्ण विश्व में शांति एवं सौहार्द की कामना से विश्वशांति महायज्ञ आयोजित हुआ, जिसमें 24 तीर्थंकर कुंड, गौतम गणधर कुंड एवं पंच परमेष्ठी कुंड निर्मित किए गए। हवन कुंडों में ऋषि मंडल, पंच परमेष्ठी, 24 तीर्थंकर, विदेह क्षेत्र के 20 तीर्थंकर तथा 64 ऋद्धि मंत्रों की आहुतियां दी गईं। घी, धूप, कपूर, समिधा आदि से निकली सुगंध से पांडाल भक्ति भाव से महक उठा। संगीत सेवा में टीकमगढ़ के युगल कलाकार प्रवीण जैन एवं श्रीमती प्रियंका जैन की संगीतमय प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रथयात्रा के साथ श्रीजी का जिनालय प्रवेश

पूर्णाहुति के पश्चात श्रीजी की भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथ पर विराजमान श्रीजी के साथ घोड़ा-बग्गी, बच्चों, महिलाओं एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने मार्गभर भक्ति नृत्य करते हुए जयघोष लगाए। परिक्रमा करते हुए रथयात्रा पुनः श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंची, जहां अभिषेक-प्रक्षाल के बाद श्रीजी को वेदी पर विराजमान किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

निवाई में श्री सिद्ध चक्र मण्डल विधान के तहत भव्य धार्मिक नाट्य मंचन

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में, आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सन्त निवास नसिंया जैन मंदिर में दस दिवसीय श्री सिद्ध चक्र मण्डल विधान का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। इसी क्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीपाल-मेना सुन्दरी तथा राग से वैराग्य की ओर–नेमी-राजुल नाटक का भव्य मंचन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्यलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में निशांत एण्ड पार्टी नाट्य कला मण्डल द्वारा प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई, जबकि संगीत संयोजन केशव एण्ड पार्टी ने किया। राजसी वेशभूषा और सजीव अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान नेमीनाथ की भूमिका सुकुमाल जैन ने निभाई, वहीं राजुलमती की भूमिका नीलम चंवरिया ने सशक्त रूप से प्रस्तुत की। मीडिया प्रभारी विमल जौंला, सुनील भाणजा एवं राकेश संधी ने बताया कि नाटिका का शुभारंभ सन्मति कुमार, सुकुमाल जैन, महिपाल जैन, मोहित जैन, नीलम जैन, शालू जैन, आयुषी जैन (चंवरिया परिवार) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात भगवान नेमी कुमार की गाजे-बाजे के साथ भव्य बिंदौरी निकाली गई, जो मंदिर के मुख्य द्वार से पांडाल होते हुए मंच तक पहुंची। बिंदौरी में समाज की महिलाएं एवं श्रद्धालु राजस्थानी परंपरा के अनुसार नृत्य-गान करते हुए शामिल हुए। विधानाचार्य पं. मुकेश शास्त्री विनम्र के निर्देशन में सौधर्म इन्द्र परिवार सहित इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 64 श्रीफल अर्पित कर विशेष पूजन किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री हितेंद्र सागर जी महाराज के मुखारविंद से वृहद शांतिधारा सम्पन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि सिद्ध चक्र मण्डल विधान अपने भव का अंत कराने वाली सर्वोत्तम पूजा है। उन्होंने बताया कि निस्वार्थ भक्ति और मन-वचन-काय की पवित्रता से किया गया पूजन सहज ही कार्यसिद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। सिद्धों की पूजा-आराधना से बढ़कर कोई दूसरी औषधि नहीं, उन्होंने कहा।

सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट में वार्षिकोत्सव–2025 का भव्य आयोजन

थीम "अस्तित्व – Journey from Zero to Zenith" ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

जयपुर। सांगानेर स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट में बुधवार को विद्यालय का वार्षिकोत्सव–2025 अत्यंत भव्यता, गरिमा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष समारोह की थीम "अस्तित्व – Journey from Zero to Zenith" रही, जिसके माध्यम से मानव जीवन की शून्य से पूर्णता और अनंत तक की प्रेरणादायी यात्रा को प्रभावशाली रूप में मंच पर प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने अस्तित्व, आत्मबोध, जीवन मूल्यों, अनुशासन, संतुलन और चेतना से जोड़ते हुए समग्र विकास की दिशा में प्रेरित करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि नवीन कुमार जैन, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग (GAD), मंत्रिमंडल, एस्टेट, स्टेट मोटर गैराज एवं नागरिक उड्डयन विभाग, राजस्थान सरकार रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। इस अवसर पर सुबोध शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष आर. सी. जैन, मानद सचिव एस. एस. बोथरा, कोषाध्यक्ष विनोद लोढ़ा तथा विद्यालय संयोजिका वीणा जामड़ द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सम्मान किया गया।विद्यालय की प्राचार्या शालिनी कपूर ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।वर्षभर की गतिविधियों के आधार पर जल हाउस को ओवरऑल बेस्ट हाउस, पृथ्वी हाउस को बेस्ट इन स्पोर्ट्स, अग्नि हाउस को बेस्ट इन कल्चरल तथा एक्सप्रेशन क्लब को रचनात्मक गतिविधियों के लिए सर्वश्रेष्ठ क्लब का पुरस्कार प्रदान किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने नृत्य और संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से मानव अस्तित्व की विकास यात्रा को जीवंत रूप में मंचित किया। शून्य से पूर्णांक तक अंकों के प्रतीकात्मक महत्व के जरिए आत्मविश्वास, निरंतरता, संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण जैसे जीवन मूल्यों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।मुख्य अतिथि नवीन कुमार जैन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, संतुलित जीवन, आत्मविश्वास और नवाचार को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, और रंगारंग प्रस्तुतियों की सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

गुणस्थली चकवाड़ा में वाणी सिद्ध मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी महाराज की प्रतिमा का प्रथम पंचामृत महामस्तकाभिषेक

फागी. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली चकवाड़ा में वाणी सिद्ध मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी महाराज का 15वां समाधि दिवस श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुनिराज की प्रतिमा का प्रथम बार भव्य पंचामृत महामस्तकाभिषेक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के आजीवन सदस्य राजाबाबू गोधा ने बताया कि समारोह में राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं सहकारिता मंत्री गौतम दक की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रातः शांतिनाथ विधान मंडल की पूजा-अर्चना हुई, जिसमें 51 पूज्यार्थियों ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। क्षेत्र के मुख्य संयोजक डॉ. अशोक अनोपडा ने क्षेत्र की भावी बहुआयामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात सकल जैन समाज द्वारा अष्टद्रव्यों से सामूहिक पूजन किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष विमल बड़जात्या एवं महामंत्री जयकुमार गंगवाल ने बताया कि 24 दिसंबर 2025 को प्रातः नित्य अभिषेक, पंचामृत अभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिनाथ विधान मंडल का आयोजन किया गया। विमल कुमार पांपल्या (मदनगंज किशनगढ़) परिवार द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। दोपहर में ध्वजारोहण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत कार्यक्रम हुए। सायं 4 बजे जयकुमार, सुनील कुमार, विनय कुमार, शिखरचंद एवं नवीन कुमार जैन गंगवाल परिवार द्वारा बोली के माध्यम से मुनिराज की प्रतिमा का दूध, दही, घृत, बूरा, ईक्षु रस, केसर एवं सर्वोषधि सहित पंचामृत अभिषेक किया गया। यह आयोजन प्रतिष्ठाचार्य पं. विमल कुमार जैन बनेठा के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। सायंकाल सभी आगंतुक साधर्मियों के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जैन, आरएएस अधिकारी डॉ. आभा जैन सहित अनेक समाजसेवी एवं विभिन्न नगरों से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्री सम्मेदशिखर जी में आचार्य श्री 108 प्रमुख सागर जी मुनिराज ससंघ का मंगल एवं भव्य प्रवेश

कोलकाता. शाबाश इंडिया। कोलकाता के ऐतिहासिक श्री दिगम्बर जैन उपवन मंदिर, बेलगाछिया में चातुर्मास के उपरान्त, पुष्पगिरी प्रणेता आचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी मुनिराज के परम शिष्य आचार्य श्री 108 प्रमुख सागर जी मुनिराज ससंघ का आज गुरुवार को श्री सम्मेदशिखर जी स्थित तेरहपंथी कोठी, मधुबन में मंगल एवं भव्य प्रवेश हुआ। इस अवसर पर गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में धर्ममय वातावरण बना रहा। मंगल प्रवेश के दौरान भक्तों ने जयघोष के साथ गुरुदेव का स्वागत किया। साधु-संतों के सान्निध्य में यह प्रवेश जैन समाज के लिए अत्यंत पुण्यदायी एवं प्रेरणादायी क्षण रहा। ससंघ के आगमन से सम्मेद शिखर जी का संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो गया।

विशेष आमंत्रणः ऐतिहासिक पर्वत परिक्रमा एवं वंदना

यह सकल जैन समाज के लिए एक दुर्लभ और ऐतिहासिक अवसर है कि आचार्य श्री 108 प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में सम्मेद शिखरजी पर्वत परिक्रमा एवं पर्वत वंदना का पुण्य लाभ प्राप्त हो रहा है। गुरुदेव ससंघ के साथ कदम-कदम चलकर पर्वतराज की परिक्रमा और वंदना करने का यह स्वर्णिम अवसर साधर्मिक बंधुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। आचार्य श्री ने सभी साधर्मियों से इस भव्य और ऐतिहासिक कार्यक्रम से जुड़ने का स्नेहिल निवेदन किया, ताकि अधिकाधिक श्रद्धालु इस पुण्य अवसर के साक्षी बन सकें। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री सुरेश सेठी (कानकी), संजय काला (इस्पात), नवनीत बज, पवन ठोलया, सत्येंद्र गोधा, संजय छाबड़ा, अभय सरावगी (गोपाल), सुरेंद्र जैन (जैन साहब), मनीष जैन, सुधीर जैन, संतोष सेठी एवं वीरेंद्र जैन का विशेष सहयोग रहा।

18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि यात्रा संपन्न, बापूनगर भीलवाड़ा का दल 11 दिन बाद लौटा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

बापूनगर भीलवाड़ा से निकला 18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि यात्रा दल 11 दिवसीय धार्मिक यात्रा पूर्ण कर स्वस्तिधाम जहाजपुर होते हुए भीलवाड़ा वापस लौटा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रमुख जैन तीर्थों एवं पावन स्थलों के दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित किया। प्रचार संयोजक प्रकाश पाटनी ने बताया कि यात्रा दल मथुरा पहुंचा, जहां श्री जम्बूस्वामी दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन किए गए। यहां साढ़े 18 फीट पद्मासन में विराजमान भगवान जम्बूस्वामी की मनोहारी प्रतिमा के दर्शन के बाद यमुना नदी में नौकाविहार किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने द्वारकाधीश मंदिर एवं कृष्ण जन्मभूमि के दर्शन किए। आगे की यात्रा में दल श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी पहुंचा, जहां प्रातःकाल यात्रियों पूनमचंद सेठी, राजेंद्र सोगानी, अशोक पाटोदी एवं अनिल गंगवाल द्वारा भगवान महावीर, आदिनाथ एवं पुष्पदंत भगवान का अभिषेक किया गया। स्वर्णमयी अष्टधातु प्रतिमा पर शांतिधारा की गई तथा 31 फीट ऊंची खड्गासन प्रतिमा के दर्शन भी किए गए। ध्यान केंद्र में स्फटिक एवं रत्नों से निर्मित प्रतिमाओं तथा आचार्य शांति सागर जी महाराज के जीवन पर आधारित चित्रों का अवलोकन किया गया। संयोजक पूनमचंद सेठी ने बताया कि यात्रा के दौरान निवाई स्थित दिगंबर जैन नसियां में विराजमान आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के दर्शन का लाभ मिला। इसके बाद अतिशय क्षेत्र स्वस्तिधाम जहाजपुर पहुंचकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान सहित अन्य प्रतिमाओं के दर्शन किए गए तथा गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। यात्रा की सफलता में पूनमचंद सेठी, राजेंद्र सोगानी, प्रकाश पाटनी, कल्पना सोगानी, कमलेश सेठी, मंजूषा जैन, सरिता पाटोदी सहित सभी यात्रियों का सहयोग रहा। संयोजक लक्ष्मीकांत जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। राजेंद्र सोगानी ने बताया कि यह बापूनगर दिगंबर जैन समाज द्वारा पहली सामूहिक तीर्थयात्रा थी, जो श्रद्धा और अनुशासन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

क्लैट-2026 में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल करने वाली गीताली गुप्ता सहित टॉपर्स का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए आयोजित क्लैट 2026 के परिणामों में राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की छात्रा गीताली गुप्ता ने ऑल इंडिया पहली रैंक हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया। इसके साथ ही साहिल गुप्ता ने ऑल इंडिया 70वीं, आरव मिश्रा ने 72वीं और दृष्टि राव ने 82वीं रैंक प्राप्त की। इस उपलब्धि पर लीगल एज की ओर से बापूनगर, मंगल मार्ग स्थित परिसर में सभी टॉपर्स का माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में लीगल एज जयपुर के निदेशक सुमित ओचानी और जोधपुर सेंटर हेड प्रतीक उदावत सहित संस्थान के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्मान समारोह के दौरान गीताली गुप्ता ने अपनी सफलता के अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने में लीगल एज के शिक्षकों के मार्गदर्शन ने परीक्षा पैटर्न, समय प्रबंधन और रणनीति को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि वे फिक्स्ड स्टडी आवर्स में विश्वास नहीं करतीं, बल्कि हर दिन के लिए एक स्पष्ट अध्ययन योजना बनाकर उसे पूरा करने की रणनीति अपनाती रहीं। परीक्षा से एक दिन पहले भी उन्होंने इसी फिलॉसफी का पालन किया। गीताली ने सेल्फ-स्टडी को तैयारी का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि सही समय पर सही प्राथमिकता तय करना ही सफलता की कुंजी है। गीताली ने इस धारणा को भी खारिज किया कि लॉ आज भी पुरुष-प्रधान क्षेत्र है। हालांकि, उन्होंने इस पेशे की चुनौतीपूर्ण प्रकृति, लंबे कार्य घंटे और वर्क-लाइफ बैलेंस की कठिनाइयों को स्वीकार किया। इस अवसर पर निदेशक सुमित ओचानी ने कहा कि यह सफलता छात्रों की अनुशासित तैयारी, संरचित मार्गदर्शन, मजबूत टेस्ट प्रैक्टिस और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ये रैंक महीनों की निरंतर मेहनत और दबाव में भी लक्ष्य पर टिके रहने की क्षमता से हासिल हुई हैं। लीगल एज ने सभी सफल छात्रों, उनके अभिभावकों और मेंटर्स को बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम लाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सुचित किया जाता है कि हमारी पुज्नीय माताजी

श्रीमती चम्पा देवी

धर्मपत्नी श्री स्व. कुन्दन मल जी बिन्दायका (मित्रपूरा वाले) का आकस्मिक निधन हो गया है। जिनकी **तीये की बैठक 27/12/25 को प्रातः 10 बजे आदिश्वर धाम जैन नसिया चाकसु, पर होगी तत्पश्च्यात घड़ियों का दस्तूर आदिश्वर धाम में को होगा।**

शोकाकुलः- मांगीलाल, अमोलक, कमलेश, (देवर) महावीर- शकुंतला, प्रकाश-सुशीला, संजीव- सुशील, अर्चना- स्व . सागर, राजेन्द्र- सरिता, संतोष- वंदना, नवल- बबली (पुत्र- पुत्रवधू), लवेश, हिमांशु रौनक, अरिहंत, दीपेश (पौत्र), नकशंद्रा, shreyansh, Ayush (परपौत्र) samast Bindayaka parivar

कान्हा की बाल लीलाओं ने मोहा मन, गूंजे गिरिराज धरण के जयकारे

श्रीकृष्ण का नाम ही आनंद व उत्सव का प्रतीक—संत मुमुक्षुरामजी महाराज

अग्रवाल उत्सव भवन में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का पांचवां दिवस

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हर स्थिति में मार्गदर्शन देने वाला है। सुख-दुःख जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन आत्मज्ञान से मनुष्य उनसे ऊपर उठकर आनंद और परमानंद की अवस्था प्राप्त करता है—और यह केवल भगवान की शरण से संभव है। यह विचार गुरुवार को रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित अग्रवाल उत्सव भवन में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के पांचवें दिन व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए संत मुमुक्षु रामजी महाराज (सोजत रामद्वारा) ने व्यक्त किए। पोरवाल परिवार की ओर से आयोजित कथा के पांचवें दिन श्रीकृष्ण बाल लीला और गोवर्धन पूजा प्रसंग का भावपूर्ण वाचन हुआ। महाराजश्री ने बताया कि माता यशोदा ने गोविंद के विराट और शिशु—दोनों रूपों के दर्शन किए। नंद-यशोदा ने कन्हैया की बाल लीलाओं का जिस भाव से आनंद लिया, वही भक्ति का शुद्ध स्वरूप है। गोवर्धन पर्वत धारण के प्रसंग में उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने गिरिराज गोवर्धन की पूजा का संदेश देकर देवराज इंद्र के अभिमान का नाश किया। इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा हेतु अंगुली पर गोवर्धन उठाने से भगवान ''गिरिराज धरण'' कहलाए—इस प्रसंग पर पांडाल जयकारों से गूंज उठा। कथा में शंकरजी का जोगी रूप धरकर यशोदा के घर आगमन, कालिया नाग पर विजय और फन पर नृत्य, राधा-कृष्ण रास तथा बरसाने में राधारानी-कृष्ण विवाह प्रसंग का भी सजीव वर्णन किया गया। गिरिराज महाराज, कृष्ण और राधा की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बाल लीला प्रसंगों के दौरान छोटो सो म्हारो मदन गोपाल, गोकुल नगरी में मच गया शोर, यशोदा के हुए नंदलाल, मेरे राधा रमण गिरधारी जैसे भजनों पर पूरा पांडाल भक्तिरस में डूब गया।

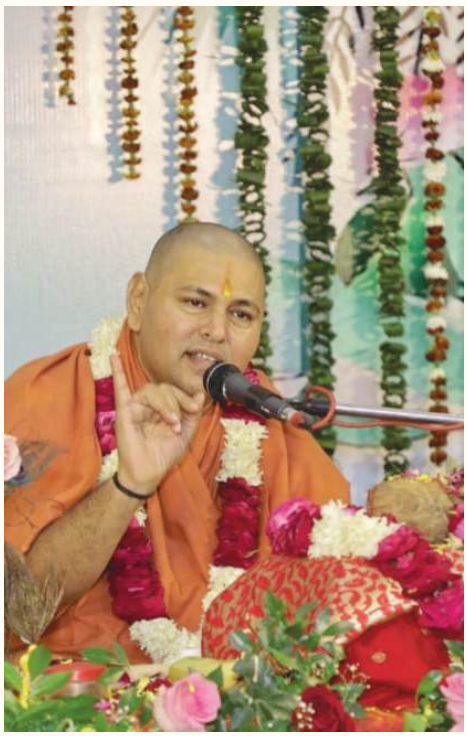

श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। व्यासपीठ का आशीर्वाद पाने वालों में आरसीएम ग्रुप के प्रकाश छाबड़ा, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र गग्गड़, समाजसेवी कांतिलाल जैन, हरिनारायण मोदानी, राकेश माहेश्वरी, माहेश्वरी नगर सभा के मंत्री संजय जागेटिया, उपाध्यक्ष महावीर समदानी, प्रहलाद नुवाल, बद्रीलाल लड्ढा, गणेश काबरा, रमेश अजमेरा, कैलाश काबरा, विनय माहेश्वरी, सुरेश आगाल, रामप्रकाश काबरा सहित अनेक गणमान्य शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत पोरवाल परिवार ने किया। कथा के आरंभ व समापन पर व्यासपीठ की आरती हुई। श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक जारी है। छठे दिन शुक्रवार, 26 दिसंबर को रास महोत्सव, उद्धव-गोपी संवाद, रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वाचन तथा शाम 7.30 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन होगा।

श्रीमद्भागवत सप्ताह का भव्य शुभारंभ, आकर्षक कलश यात्रा निकली

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

कस्बे में गुरुवार को भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में श्रीमद्भागवत सप्ताह का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रातःकाल सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर नगर भ्रमण करते हुए आकर्षक कलश यात्रा में सहभागिता की, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर हो गया। आयोजन समिति के प्रमुख श्याम सिंह गुर्जर ने बताया कि लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल परिसर में 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक सप्ताहभर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचन अनंत शरण महाराज (श्रीधाम वृंदावन) द्वारा किया जाएगा, जो अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का रसपान कराएंगे। कथा के समापन पर 1 जनवरी को पूर्णाहुति के साथ भव्य भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। कलश यात्रा से पूर्व विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ श्रीगणेश पूजन तथा श्रीमद्भागवत ग्रंथ का पूजन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं ने भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा के दौरान भक्तिमय गीतों और जयघोष से वातावरण श्रद्धा से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में कैप्टन भगवान सिंह, हरज्ञान पटेल, कैप्टन भंवर, यादराम, बने सिंह, सुखराम, देशराज सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से सप्ताहभर कथा श्रवण में सहभागी बनने का आग्रह किया।

रोटरी मेडिकल मिशन के प्रथम कैम्प का कचनार में शुभारंभ

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी के अंतर्गत रोटरी परिवार एवं श्रीमंत माधव राव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के सहयोग से मध्य प्रदेश शासन द्वारा अशोकनगर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कचनार में प्रथम चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में डॉ. रॉबिंस एवं उनकी टीम—जिसमें नर्सिंग स्टाफ, आशा कार्यकर्ता, लैब तकनीशियन तथा ए.एन.एम. शामिल रहीं—ने 46 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। आवश्यकता अनुसार मरीजों को दवाइयां भी वितरित की गईं। रोटरी क्लब की ओर से अध्यक्ष अजित कुमार जैन, सचिव अक्षय जैन तथा रोशन कोहली उपस्थित रहे और कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस प्रोजेक्ट के तहत गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को 21 मार्च से 28 मार्च 2026 तक शिवपुरी में आयोजित विशेष शिविर में रेफर किया जाएगा, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा उनका उपचार किया जाएगा। रोटरी मेडिकल मिशन के अंतर्गत 25 दिसंबर से 18 फरवरी तक जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विभिन्न तिथियों में परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। रोटरी परिवार ने आमजन से अपील की है कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद एवं बीमार नागरिकों को इन शिविरों की जानकारी देकर स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकतम लाभ दिलाएं।

हम साधु इच्छा से कठोर साधना करते हैं, सुख आए तो उसे दुर्भाग्य समझना: राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

ईसागढ़ में वेदी प्रतिष्ठा के साथ जगत कल्याण हेतु महा शांति धारा

ईसागढ़. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य, राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में गुरुवार प्रातः वेदी प्रतिष्ठा समारोह के अंतिम चरण में भगवान जिनेन्द्र देव को नवीन वेदी पर विधि-विधान से विराजमान किया गया। इससे पूर्व जगत कल्याण की कामना के साथ महा शांति धारा संपन्न हुई, जिसका सौभाग्य जैन समाज के मंत्री राजेश ठेकेदार, रतिराम कोरवास सहित अन्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। प्रतिष्ठाचार्य मुकेश भैया के मंत्रोच्चार और भक्तों के जयघोष के बीच प्रभु को नवीन वेदी पर विराजमान किया गया। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि दोपहर बाद परम पूज्य मुनि संघ ने ईसागढ़ से कदवया की ओर विहार किया। शुक्रवार प्रातः साढ़े आठ बजे प्राचीन नगरी कदवया में मुनि संघ का मंगल प्रवेश होगा। इसके पश्चात आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगल आशीर्वचन होंगे। इस अवसर पर खनियाधाना, बामौर, करवाया, गोला-कोट कमेटियों द्वारा श्रीफल अर्पित किए जाएंगे।

अवस्था सही हो तो व्यवस्था स्वयं बनती है

धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा, अवस्था सही हो तो व्यवस्था अपने आप बन जाती है। हमें व्यवस्था बनाने की नहीं, अपनी अवस्था को सही रखने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा, हम साधु इच्छा से कठोर साधना करते हैं। आपको वह दुःख लगता है, लेकिन यदि हमें सांसारिक सुख मिले तो उसे हमारा दुर्भाग्य समझना और यदि दुःख आए तो उसे सौभाग्य मानना।

उन्होंने भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीराम जैसे महापुरुष अयोध्या की गद्दी छोड़कर दंडकारण्य के कंकरीले मार्गों पर भी आनंद से चले। संसारी प्राणी हर वस्तु में सुख खोजता है—भोजन, रंग-राग, यहाँ तक कि नशे में भी—जबकि उसे सुख के सही ठिकाने का पता ही नहीं, उन्होंने कहा। पानी में मछली प्यासा रह जाती है—ऐसा ही संसार है। महाराजश्री ने आत्मदृष्टि की ओर संकेत करते हुए कहा कि बाहरी आँखों से देखने के बजाय यदि थोड़ी दृष्टि भीतर की ओर मोड़ी जाए तो आत्मा की निकटता का सौभाग्य मिलता है। ऐसी साधना करें कि सुख में भी सुख दिखे और दुःख में भी सुख दिखे, उन्होंने कहा। महान आत्माओं की पहचान यही है कि वनवास की घोषणा पर भी उनका मन मलिन नहीं होता। वेदी प्रतिष्ठा एवं धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पुण्यलाभ अर्जित किया।

सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सुरेंद्र कुमार जैन को मिलेगा "राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026"

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित होने वाले भव्य राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह में महावीर नगर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र कुमार जैन को सामाजिक गतिविधियों, जनकल्याण एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है। गौरतलब है कि सुरेंद्र कुमार जैन विगत कई वर्षों से समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक जागरूकता, मानवीय मूल्यों के संवर्धन तथा सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और सहयोग की भावना पहुंचाना उनका प्रमुख उद्देश्य रहा है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक अभियानों के माध्यम से जनहित के मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने, आपसी सद्भाव, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी संवेदनशील सोच, निष्कलंक छवि और सहयोगात्मक दृष्टिकोण ने उन्हें क्षेत्र में एक भरोसेमंद और सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में स्थापित किया है। सुरेंद्र कुमार जैन का मानना है कि समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझे और मानव कल्याण के लिए आगे आए। इसी विचारधारा के साथ वे निरंतर सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं। चयन समिति ने उनकी सामाजिक सक्रियता, सेवा-समर्पण और जनकल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें "राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026" के लिए चयनित किया है। यह सम्मान न केवल उनके कार्यों की पहचान है, बल्कि समाजसेवा से जुड़े अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

सरदार पटेल उद्यान में बच्चों के झूलों का विधिवत उद्घाटन, उमड़ा उत्साह

नसीराबाद (रोहित जैन)। छावनी परिषद नसीराबाद द्वारा शहर के सरदार पटेल उद्यान में बच्चों के मनोरंजन हेतु लगाए गए आकर्षक झूलों का बुधवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन नीतीश कुमार गुप्ता, मुख्य अधिशासी अधिकारी, द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर मनोनीत सदस्य सुशील कुमार गदिया, अधिदर्शक विश्वेंद्र सिंह, सहायक अभियंता (इंजीनियरिंग विभाग) हितेश, जल-विद्युत फोरमैन सतीश कुमार, अरुण रावत, प्रोग्रामर कपिल देव मेहरा, राजस्व अधिकारी संजय शर्मा, सफाई निरीक्षक आशीष शर्मा, रवि प्रकाश, छोटेलाल सैनी, शिवराम सहित छावनी परिषद के कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शुभारंभ होते ही उद्यान में उल्लास का माहौल बन गया। सैकड़ों की संख्या में बच्चे झूलों पर झूलते और खेलते नजर आए, जिससे अभिभावकों में भी खुशी दिखाई दी। स्थानीय नागरिकों ने बच्चों के लिए सुरक्षित और आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए छावनी परिषद के प्रयासों की सराहना की। छावनी परिषद ने बताया कि उद्यान के समग्र विकास के तहत अन्य सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। उद्यान के मध्य स्थित फव्वारे को नया स्वरूप दिया जा रहा है। साथ ही फुटपाथ का निर्माण जारी है, जिस पर आकर्षक लाइटिंग, हरी-भरी घास तथा अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं, ताकि उद्यान को और अधिक आकर्षक व उपयोगी बनाया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय जैन युवकझयुवती परिचय सम्मेलन 25 जनवरी को इंदौर में

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का तृतीय आयोजन, सभी 84 उपजातियों के लिए अवसर

इंदौर. शाबाश इंडिया। विगत 31 वर्षों से सक्रिय दिगंबर जैन समाज की अग्रणी संस्था दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा इस वर्ष तृतीय अंतरराष्ट्रीय जैन युवकझयुवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन रविवार, 25 जनवरी 2026 को इंदौर के दस्तूर गार्डन में आयोजित होगा। फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि यह सम्मेलन जैन समाज की सभी 84 उपजातियों–परवार, पोरवाड़, चित्तौड़ा, ह्यूमड़, गोलालरिए, नरसिंहपुरा, खंडेलवाल सहित–के उच्च शिक्षित, प्रोफेशनल एवं सामान्य शिक्षित अविवाहित युवक-युवतियों के लिए योग्य जीवनसाथी चयन का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी तथा पदाधिकारियों संजय पापड़ीवाल और प्रदीप गंगवाल ने बताया कि सम्मेलन में प्रस्तुत बायोडाटा की विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है, क्योंकि अधिकांश आवेदन सामाजिक एवं पारिवारिक परिचय के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि तलाकशुदा, विधवा एवं विधुर प्रतिभागियों के लिए परिचय स्मारिका में विशेष परिशिष्ट पृथक रूप से प्रकाशित किया जाएगा, ताकि सभी वर्गों को समान अवसर मिल सके। फेडरेशन ने समाजजनों से अपील की है कि जिन परिवारों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना शीघ्र एंट्री सुनिश्चित करें, ताकि सम्मेलन की व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जा सकें।

डॉ. अर्पणा जैन "वूमन्स अचीवर्स अवॉर्ड" से सम्मानित, इंदौर और जैन समाज गौरवान्वित

इंदौर (राजेश जैन दद्दू). शाबाश इंडिया। शहर की प्रतिष्ठित स्त्रीरोग विशेषज्ञ एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अर्पणा जैन को दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित लाइफटाइम अचीवर्स-वूमन्स अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्मान से इंदौर सहित जैन समाज में हर्ष और गौरव का वातावरण है। यह सम्मान चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, सही उपचार एवं परामर्श, समर्पण और निस्वार्थ मानव सेवा का प्रतीक है। डॉ. अर्पणा जैन अपने पेशे में निरंतर उत्कृष्टता का मानक स्थापित कर रही हैं। वे शहर की बहू होने के साथ-साथ एक गोल्ड मेडलिस्ट स्त्रीरोग विशेषज्ञ भी हैं, जिनकी कार्यशैली मानवीय संवेदना और दृढ़ संकल्प का उदाहरण है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि डॉ. अर्पणा जैन ने अपने कार्यों से सिद्ध किया है कि सेवा-भाव, नैतिकता और निरंतर परिश्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। उनके सम्मान से न केवल चिकित्सा जगत, बल्कि समूचे जैन समाज का मान बढ़ा है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, श्रीमती रेखा जैन, श्रीमती मुक्ता जैन, श्रीमती आशा सोनी, श्रीमती उर्मिला गांधी, श्रीमती ममता खासगीवाला सहित समाजजनों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ईश्वर से कामना है कि डॉ. अर्पणा जैन अपने चिकित्सकीय दायित्वों में इसी ऊर्जा, सेवा-भाव और संकल्प के साथ निरंतर प्रगति करें, समाज को नई दिशा दें और उनका यश व सम्मान दिन-दूना, रात-चौगुना बढ़ता रहे।

प्रार्थनाओं, कैरोल गायन और सामूहिक समारोहों का हुआ आयोजन

शहरभर में हफ्ते भर होंगे अलग-अलग आयोजन, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया क्रिसमस पर्व

जयपुर. कासं। जयपुर में क्रिसमस का पर्व पूरी श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। शहर के अलग-अलग चर्च में सुबह से ही प्रार्थनाओं, कैरोल गायन और सामूहिक समारोहों का आयोजन हुआ। चर्च परिसरों को क्रिसमस की थीम पर रंग-बिरंगी लाइट्स, सितारों, क्रिसमस ट्री और यीशु मसीह के जन्म की झांकियों से सजाया गया। इससे माहौल पूरी तरह उत्सवी हो उठा। सेंट जेवियर्स चर्च, ऑल सेंट्स चर्च सहित अन्य चर्चों में आधी रात और सुबह विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। इन सभाओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और यीशु मसीह के जन्म का संदेश साझा किया गया। चर्च में बच्चों और युवाओं ने पारंपरिक क्रिसमस कैरोल्स ने वातावरण को भावनात्मक और आनंदमय बना दिया। जॉय टू द वर्ल्ड, साइलेंट नाइट जैसे गीतों के साथ प्रभु यीशु के जीवन और उनके संदेशों कचर्च को यीशु मसीह के जन्म की झांकियों से सजाया। प्रार्थना के बाद एक-दूसरे को गले लगाकर बधाइयां दी गईं, केक काटे गए और बच्चों को विशेष उपहार व मिठाइयां वितरित की गईं। कई चर्चों में बच्चों द्वारा छोटे नाट्य मंचन और झांकियों के माध्यम से प्रभु यीशु के जन्म की कथा प्रस्तुत की गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। क्रिसमस के अवसर पर चर्चों के बाहर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन की ओर से पर्याप्त बल तैनात रहा, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के त्योहार का आनंद ले सकें। सेंट एंड्रयूस चर्च के मीडिया इंचार्ज दीपक बेरिस्टो ने बताया - यह खुशनुमा समय है। हम पूरे शहर को इसकी शुभकामनाएं दे रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी क्रिसमस को हर्ष और उल्लास के तरीके से मना रहे हैं। यह नई रोशनी को लेकर आने वाला त्योहार है। यहां से नई जिंदगी की शुरूआत की जा सकती है। सेंट एंड्रयूस चर्च के सेक्रेटरी जॉन जेक्शन ने कहा कि इस पूरे वीक में काफी इवेंट हम कर रहे है। यहां स्पोर्ट्स इवेंट भी रखे गए हैं। आगे के दिनों में डिनर भी प्लान किया गया है। क्रिसमस पर पूरा माहौल उल्लास के साथ सेलिब्रेशन कर रहे हैं। बच्चे और युवाओं को उपहार भी मिल रहा है।

ज्योतिषाचार्य पं. कैलाश चंद शर्मा 'ज्योतिष-मणि' सम्मान से सम्मानित

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान, जयपुर द्वारा महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से उदयपुर में आयोजित सम्मान समारोह में नसीराबाद निवासी ज्योतिषाचार्य पंडित कैलाश चंद शर्मा को 'ज्योतिष-मणि' सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें ज्योतिष के क्षेत्र में दीर्घकालीन साधना, शोध एवं समाज को मार्गदर्शन प्रदान करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में देशभर से आए विद्वानों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में उन्हें सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। सम्मान प्राप्त होने पर नसीराबाद सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने पं. शर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।